SMCR MODEL OF COMMUNICATION
संचार का एसएमसीआर प्रारूप

Dr. Archana Bharti
Guest Faculty, MJMC
Sem-1, Paper- 101
Date- 07/07/2021

SMCR MODEL OF COMMUNICATION

- SMCR (Sender-Message-Channel-Receiver) डेविड बरलो (David Berlo) का मॉडल पहली बार वर्ष 1960 में "The Process of Communication" पुस्तक में प्रकाशित हुआ था। जो शैनन–वीवर के गणितीय मॉडल का विस्तारित रूप है।
- डेविड बरलो ने संचार में व्यक्तिगत घटकों अथवा तत्वों को प्रभावित करने वाले कारकों (Factors) का वर्णन किया जो संचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं।

SMCR MODEL OF COMMUNICATION

- डेविड बरलो ने अपने प्रारूप में चार तत्वों की चर्चा की और ये तत्व हैं–प्रेषक (Sender), संदेश (Message), माध्यम (Channel) और प्रापक (Receiver)।
- इनके प्रारूप में मौखिक (Verbal) और गैर–मौखिक (Non-verbal) संचार भी शामिल है। और यह भावनात्मक पहलुओं (Emotional aspects) पर विचार करता है।
- यह मॉडल संचार प्रक्रिया के विभिन्न घटकों की व्याख्या करता है।

SMCR MODEL OF COMMUNICATION

S Source → Encodes → M Message → C Channel → Decodes → R Receiver

S Source	M Message	C Channel	R Receiver
Communication Skills		Seeing	Commn. Skills
Attitudes		Hearing	Attitudes
Knowledge		Touching	Knowledge
Social System		Smelling	Social System
Culture		Taste	Culture

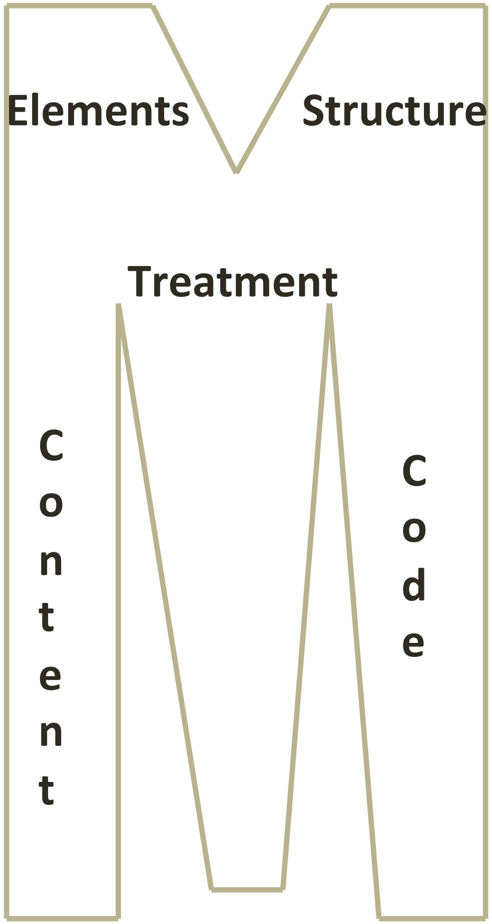

SMCR MODEL OF COMMUNICATION

- बरलो के प्रारूप में जो **'प्रेषक'** है, इसका विश्लेषण प्रेषक अथवा सोर्स के संचार कौशल, व्यवहार, ज्ञान, समाज व्यवस्था और संस्कृति के आधार पर किया जाता है।
- इसमें **'संदेश'** किसी भी भाषा या चित्र के माध्यम से दिया जा सकता है। प्रेषक संदेश की संरचना अपने तरीके से करता है। जैसे भाषा की दृष्टि से उसे हिन्दी, अंग्रेजी या अन्य भाषा के रूप में। संदेश रचना के बाद प्रेषक उसे अपने तरीके से सम्प्रेषित करता है, जिसके विश्लेषण तत्व, अंतर्वस्तु, ढांचा, उपचार और कूट आदि के स्तर पर किया जा सकता है।

SMCR MODEL OF COMMUNICATION

- इसमें 'माध्यम' की मदद से संदेश रिसीवर तक पहुंचता है। जिसमें कई प्रकार के माध्यमों का उपयोग किया जा सकता है। रिसीवर अथवा प्रापक देखकर, सुनकर, स्पर्श कर, सूंघ कर और चखकर संदेश को ग्रहण कर सकता है।
- इस प्रारूप में जो 'प्रापक' है, उसका संदेश को ग्रहण करने में महत्वपूर्ण योगदान होता है। यदि उसकी सोच सकारात्मक है तो संदेश अर्थपूर्ण होता है। और अगर नकारात्मक सोच है तो संदेश भी अस्पष्ट होगा।

SMCR MODEL OF COMMUNICATION

- बरलो का प्रारूप मुख्य रूप से संचार प्रक्रिया में मानवीय तत्व की भूमिका से जुड़ा है। यह भूमिका सोर्स, संदेश, संचार माध्यम, और रिसीवर के रूप में जुड़ी हो सकती है।
- यह मॉडल संचार के रैखिक मॉडल (Linear Model) का उदाहरण है।
- इस प्रारूप में संचार के लिए लोगों को समान स्तर पर होने की बात कही गई है परन्तु वास्तविक जीवन में ऐसा नहीं होता।
- इसमें संचार में आने वाली ''बाधा'' (Barriers) को शामिल नहीं किया गया है।